आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–23 जनवरी 2026 भोजपुरी समाचार

केन्द्र सरकार जनगणना के पहिला फेरा में नागरिकन से पूछल जाये वाला तैंतीस सवालन क सूची जारी कइ दीहले बा। ई फेरा एक अपरैल से सुरू होई। पहिला फेरा में घरन क सूची तइयार कइल जाई, जेकरे खातिर हर राज्य आ केन्द्रसासित प्रदेसन की ओरि से तय तीस दिन क अभियान चलावल जाई। ई फेरा तीस सितम्बर ले जारी रही। एगो रिपोर्ट–

****

सर्वेक्षण के दौरान जनगणना अधिकारी घर के स्वामित्व की स्थिति, घर के उपयोग, कमरों की संख्या तथा परिवार के मुखिया के लिंग के बारे में जानकारी मांगेंगे। नागरिकों से उनके घरों में उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं के बारे में भी पूछा जाएगा। इनमें लोगों से पीने के पानी का मुख्य स्रोत, रोशनी का मुख्य स्रोत, शौचालय की उपलब्धता, एलपीजी और पीएनजी कनेक्शन तथा खाना पकाने के लिए उपयोग किया जाने वाले ईंधन के बारे में भी जानकारी एकत्र की जाएगी। नागरिकों के पास 30 दिन के गृह सूचीकरण अभियान शुरू होने से ठीक पहले 15 दिनों की अवधि में स्व–गणना करने का विकल्प भी उपलब्ध होगा। जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी। अप्रैल से सितंबर तक घरों का सूचीकरण और आवास जनगणना तथा फरवरी 2027 में व्यक्तियों की गणना होगी।

****

आजु नेता जी सुभाष चन्द्र बोस क जयंती मनावल जा रहल हौ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आ गृह मंत्री अमित शाह 'नेताजी' के जयंती पर उन्हें सरधांजलि दिहलें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहलें कि आजु क दिने देसवासी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प आ देस के प्रति अद्वितीय जोगदान के इयादि करे लें।

आज नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जी की जयंती भी है। हम इसे पराक्रम दिवस के रूप में मनाते हैं। मैं सभी देशवासियों को पराक्रम दिवस की बहुत–बहुत बधाई देता हूं।

लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सामिल भइलें आ नेताजी के सरधांजलि दिहलें। उहां के कहलीं कि 'नेताजी' सुभाष चन्द्र बोस आजादी क लड़ाई के एगो नया दिसा दिहलें।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आजादी की लड़ाई को एक नई दिशा दी थी। उनका विराट व्यक्तित्व हर भारतीय को प्रभावित करता था। भारत के अंदर हो या भारत के बाहर उन्होंने भारत की आजादी के लिए जो योगदान किया। उनका एक–एक शब्द अपने आप में आजादी के आंदोलन का मंत्र बन गया। याद करिए ना जिन्होंने उस समय कहा था भारतवासियों का आह्वन किया था–तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा। यह भारत की आजादी का एक मंत्र बन गया। उनका उद्घोष दिल्ली चलो का आज भी हर भारतीय को प्रेरित करता है।

अजोध्या आ कुशीनगर के सथहीं प्रदेस के कई जिलन में नेताजी के जयंती पर कई गो कार्यक्रम आयोजित कइल गइल।

****

प्रदेस के कई जिलन में आजु बसंत पंचिमी आ सरस्वती पूजा क तिउहार धारमिक आ पारम्परिक उछाह के साथे मनावल जा रहल बा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उप राष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बसंत पंचिमी के मौका पर सुभकामना दिहले हवें। बसंत पंचिमी पर माघ मेला में चलि रहल चउथा नहान परब पर आजु तड़के से ढेरि संख्या में सरधालु घाटन पर नहा के दान–पुन्न कइ रहल हवें। सरधालुअन के सुविधा आ सुरक्षा बदे मेला क्षेत्र में कड़ेर इंतिजाम कइल गइल बा। हमरे प्रयागराज प्रतिनिधि बतवलें कि संझा चार बजे ले करीब तीन करोड़ बीस लाख सरधालु बसंत पंचिमी तिउहार पर आस्था क डुबकी लगा लिहले रहलें। प्रदेस के अजोध्या आ वाराणसी के साथहीं कई गो अउरियो जिलन में सरधालु बसंत पंचिमी तिउहार पर पवित्र नदियन में नहा के पूजा–अर्चना कइलें।

****

बिहने उत्तर प्रदेस दिवस पर प्रदेस भर में कई गो आयोजन कइल जाई। केन्द्रीय गृह आ सहकारिता मंत्री अमित शाह प्रदेस क राजधानी लखनऊ में बतौर मुख्य अतिथि 'उत्तर प्रदेस दिवस समारोह' के सम्बोधित करिहें। एगो रिपोर्ट–

केन्द्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर एक जनपद–एक व्यंजन योजना की शुरुआत करेंगे। वह सरदार पटेल औद्योगिक क्षेत्र योजना का भी शुभारंभ करेंगे। श्री शाह मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिलों को सम्मानित करेंगे। साथ ही उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान दो हजार पचीस छब्बीस का भी वितरण करेंगे। समाचार कक्ष से प्रेम चन्द्र गुप्ता।

****

प्रदेस के कई जिलन में आजु भिन्नहीं आसमान में बादर छा गइल आ बरखा के नाते मौसम बदलि गइल। पच्छिमी उत्तर प्रदेस के शामली जिला में जहवां हल्लुकाहे बूंदाबांदी भइल ओहीं मुजफ्फरनर जिलो में भइल बरखा ठंडी बढ़ा दिहलस। गौतमबुद्धनगर में तेज बेयारि के साथे भइलइ बरखा से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रो में लोगि ठंडी महसूस कइलें। ओहीं, पूरबी उत्तर प्रदेस के गोरखपुर के सथहीं एकरे लग्गे के अउरियो जिलन में आजु दिन में तेज घाम निकरल, हलांकि भिन्नहीं आ संझा ठंडी क असर बनल बा।

****